हरिकेशनल्लूर्
मुत्तय्या भागवतर्
कीर्तनानि

(Part I : 40 popular kṛtis)

Compiled and typeset
using LaTeX 2ε , pdfLaTeX, and dvng Type I fonts

©July 2002

1 ambA vANI

अम्बा वाणी नन्नादरिञ्चवे

रागं : कीरवाणि ताळं : आदि

पल्लवि

अम्बा वाणी नन्नादरिञ्चवे

अनुपल्लवि

शंबरारिवैरिसहोदरि कम्बुगळेसित कमलेश्वरि

चरणम्

परदेवि निन्नु भजियिञ्चे भक्तुलनु ब्रोचे पङ्कजासनि
वरवीणापाणि वाग्विलासिनि हरिकेशपुर अलङ्करि राणि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

2 atishayavaraprasAdini

अतिशयवरप्रसादिनि

रागं : मन्दारि ताळं : आदि

पल्लवि

अतिशयवरप्रसादिनि अम्ब
अखिलाण्डजननि अम्ब

अनुपल्लवि

मतिमुख सुन्दरि महिते मनोहरि
मानिते माये माधवि शङ्करि

चरणम्

यदुकुलचन्द्र श्रीकण्ठीरव
नृसिंह भूवर सुत जय शीलर
मृदुवचन श्री जयचामराजेन्द्र

मदह्र ह्रिकेश मानिनि पोरेयळ

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

3 ArukkuM aDa”ngAta

आरुक्कुं अडङ्गात

रागं : बेगडै   ताळं : आदि

पल्लवि

आरुक्कुं अडङ्गात नीलि पोन्नम्बलत्ताडुं काळि

अनुपल्लवि

पारुळ् परब्रह्मत्तै अडक्किय शायै
पाडुं वेदङ्गळालुं अरियाद मायै

चरणम्

परमानन्दनैप्पादियाय् मात्त्रिनाळ्
परन्दामन् मुखमदिल् पल् विलङ्गेत्त्रिनाळ्
शिरमदरु पडवे विनै तनैत्तूत्त्रिनाळ्
हरिकेशनगर् वालुं एम्मैक्काप्पात्त्रिनाळ्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

4 bhuvaneshvariyA

भुवनेश्वरिया

रागं : मोहनकल्यणि ताळं : आदि

पल्लवि

भुवनेश्वरिया नेन मानसवे
भव बन्धगळ भीतिय बीडुवे

अनुपल्लवि

भवदलि बरिदे नवेयदे नोयदे
तव सुविलसदे तनियुवे सुखिसुवे

चरणम्

व्रिजिनङ्गळनु विदलिपमातेय
त्रिजगज्जननिय त्रिगुणातीतेय
निजभक्तावन सुरवर सुरभिय

अज॰सन्नुते श्री हरिकेशाङ्घ्रिय

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

5 caNDike shrI

चण्डिके श्री

रागं : नारायणि   ताळं : रूपकम्

पल्लवि

चण्डिके श्री चामुण्डेश्वरि

अनुपल्लवि

चण्डमुण्डासुरमर्द्दिनि सलहेन्नु स्कन्दजननि

चरणम्

चन्द्रारे गोल्ल सत्बाले चतुःषष्ठिकलालोले
इन्द्रवन्य हरिकेश हृदयेश्वरि हरिसोदरि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

6 durgA devi duritanivAriNi

दुर्गादेवि दुरितनिवारिणि

रागं : नवरसकन्नड ताळं : आदि

पल्लवि

दुर्गादेवि दुरितनिवारिणि

अनुपल्लवि

स्वर्गापवर्ग सौख्यदायिनि
सुरेशपालिनि सलहु जननि

चरणम्

प्राणाग्नि संयोगादि जनिसिद

प्रणवनाद सप्तस्वर रूपिणि

वीणादि वाद्य नृत्य गान विनोदिनि
हरिकेश भामिनि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

7 gaM gaNapate

गं गणपते

रागं : हंसध्वनि ताळं : रूपकम्

पल्लवि

गं गणपते नमो नम शङ्करितनय नमो नम

अनुपल्लवि

अङ्कुशधर मङ्गळकर पङ्कजचरणावरण

चरणम्

पङ्कजासनादि वन्दित भक्तार्त्तिहरण मुदित
कुङ्कुमापगुणनिधे हरिकेश कुमार मन्दार

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

8 gaNapate suguNanidhe

गणपते सुगुणनिधे

रागं : जनरञ्जनि ताळं : आदि

पल्लवि

गणपते सुगुणनिधे महा

अनुपल्लवि

मणिमयभूषण इभानन ऋणविमोचन नागभूषण

चरणम्

मूलकारणा मूषिकवाहना मुनिजन वन्द्या मोदकहस्ता
कालकाल श्री हरिकेशा बाल मां पालय भक्तवरद

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

9 gaNesha skandajanani

गणेशस्कन्दजननि

रागं : नागभूषणि ताळं : रूपकम्

पल्लवि

गणेशस्कन्दजननि गन्धर्वगानविनोदिनि

अनुपल्लवि

फणीन्द्रमणिभूषणि परमेश्वरि निरञ्जनि

चरणम्

शरणागतवत्सले निन्न चरणधियानदलि सुखिसद
नरजन्मवदेतके सुरवरार्चिते हरिकेशनिरते

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

10 giripriyam

गिरिप्रियं गङ्गाधरम्

रागं : कदनकुतूहलम् ताळं : आदि

पल्लवि

गिरिप्रियं गङ्गाधरं गणेशतातं कृपाकरम्

अनुपल्लवि

सरस्वतीशप्रियकरं शङ्करं चन्द्रशेखरं वन्दे

चरणम्

मूलाधारं मुक्तिप्रदं मुकुन्दसेव्यं मोहातीतम्
कालकालं कामसंहारं शूलिनं शुभहरिकेशमीशम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

11 himagiri tanaye

हिमगिरितनये हेमलते

रागं : शुद्धधन्याशि   ताळं : आदि

पल्लवि

हिमगिरितनये हेमलते
अम्ब ईश्वरि श्रीललिते मामव

अनुपल्लवि

रमा वाणि संसेवित सकले
राजराजेश्वरि रामसहोदरि

चरणम्

पाशाङ्कुशेक्षु दण्डकरे अम्ब
परात्परे निजभक्तपरे
आचाम्बर हरिकेश विलासे

आनन्दरूपे अमितप्रकाशे

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

12 jaya mahiShAsuramarddani

जय महिषासुरमर्द्दनि

रागं: हंसद्ध्वनि ताळं : आदि

पल्लवि

जय महिषासुरमर्दनि श्रितजनपलिनि

अनुपल्लवि

जय जयेन्द्रपूजिते जय जय जगन्माते

चरणम्

जय जय मधुरिपु सोदरि जय जय श्रीशातोदरि
जय गणेश गुहजननि जय जय हरिकेश भामिनि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

13 jaalandhara supIThaste

जालन्धरसुपीठस्तिते

रागं : वलजि ताळं : रूपकम्

पल्लवि

जालन्धरसुपीठस्तिते जपाकुसुमभासुरे

अनुपल्लवि

बालर्ककोटिप्रभे बाले परिपालिसौ

चरणम्

भवरोगनिवारिणि भक्तजनपरिपालिनि
नवशक्तिस्वरूपिणि नादहरिकेश राज्ञि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

14 kALarAtri svarUpiNi

काळरात्रिस्वरूपिणि

रागं : ऊर्मिका   ताळं : आदि

पल्लवि

काळरात्रि स्वरूपिणि अम्ब

अनुपल्लवि

काळि कराळि कपालिनि शूलिनि
कळन्ज्जननिभे काळाहिभूषणि

चरणम्

रुण्डमालालङ्कृते रुद्रतोषिते ताण्डवपण्डिते
चण्डि देवेन्द्रार्चिते सलहौ चण्डहर हरिकेशभामिनि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

15 manamu kavalenu

मनमु कवलेनु तल्लि

रागं : सहान   ताळं : रूपकम्

पल्लवि

मनसु कवलेन तल्लि महिषासुरमर्द्दिनि अभि

अनुपल्लवि

आनति नी विच्चिति गादा अम्बा नी सन्निधि कोलुव

चरणम्

परुल माट नम्मि चेडिन पामरुड्डु नेननि
वडलक सरिवारुल दूरुड दुस्सङ्गमु चेरिन देन्चक
स्थिरमुग नी चरणसेव चेयुटकनुग्रहिञ्चि ब्रोव
परमेश्वरि हरिकेश भामिनि गुह जननि बहु

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

16 manonmaNi mandahAsini

मनोन्मणि मन्दहासिनि

रागं : शुभपन्तुवराळि ताळं : आदि

पल्लवि

मनोन्मणि मन्दहासिनि मञ्जुळवाणि माते सलहौ

अनुपल्लवि

सनकादि मुनि विनुतपदे वनजायताक्षि वन्दीशुवे ताये

चरणम्

तनुधन मनमदव कादि नीडि
मनदल्लि निन्न मनु नेनेवर
अनुविंबोरेव जननि सुरेन्द्र विनुते
हरिकेश निरते अम्ब

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

17 mAte malayadhvaja (daru varNam)

माते मलयध्वज (दरु वर्णम्)

रागं : खमास्   ताळं : आदि

पल्लवि

माते मलयध्वज पाण्ड्य संजाते
मातङ्गवदन गुह

अनुपल्लवि

शातोदरि शङ्करि चामुण्डेश्वरि
चन्द्रकलाधरि ताये गौरि

मुक्तायि स्वर साहित्यम्

दाता सकल कला निपुण चतुर दाता

विविध मद समय समरस दाता

सुलभ हृदय मधुरवचन दाता

सरसरुचिरतर स्वरलय गीत सुखद

निज भाव रसिकवर दाता महिषूरनाद
नाल्वटी श्री कृष्ण राजेन्द्र ताये सदा
पोरे महिते हरिकेश मनोहरे सदये

चरणम्

श्यामे सकल भुवन सार्वभौमे
शशि मण्डल मध्यगे

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

18 nirAmaye nirañjane

निरामये निरञ्जने

रागं : कुन्ताळवराळि   ताळं : रूपकम्

पल्लवि

निरामये निरञ्जने निशुम्भशुम्भदमनि

अनुपल्लवि

हिरण्मये ह्रींकारे पराशक्ति पालिसम्मा

चरणम्

मधुर वाक्प्रदायिनि मधुरगानमोदिनि
विधीन्द्रादिनुते गणादीश हरिकेशहिते

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

19 nIdu mahima pogaDa

नीदु महिम पोगड

रागं : हंसानन्दि   ताळं : आदि

पल्लवि

नीदु महिम पोगड ना तरमा रमा नित्यसुखदा

अनुपल्लवि

मोद हृदय सामवेद रूपमय नादस्वरूप नन्नादरिञ्चुमिक

चरणम्

क्षीरशयन हरिकेश हृद्सदन
भूभारमु तीर्चुट कोरु देवतुलकु घोर
रावण संहारमु चेयुट श्री
रघुकुलमुनन् धीरमुगा पुट्टिन

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

20 ratnakañcukadahAriNi

रत्नकञ्चुकधारिणि

रागं : कांभोजि   ताळं : चापु

पल्लवि

रत्नकञ्चुकधारिणि अम्ब

अनुपल्लवि

रत्नताटङ्कभूषणि यत्नकार्यव कैकूडिसु अम्ब

चरणम्

मन्दगमनोल्लासिनि देवेन्द्रनुत मृदुभाषिणि
इन्दुशेखर हरिकेश सुन्दराङ्ग विहारिणि अम्ब

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

21 rAjarAjAdhite

राजराजाधिते नादनिधे

रागं : निरोष्ट ताळं : एकम्

पल्लवि

राजराजाधिते नादनिधे शारदे

अनुपल्लवि

तेजाश्रिते श्रीललिते श्री ईश सहजाये

चरणम्

नीने हरिकेश राज्ञि नीने कल्याणि
नीने कृष्णराजेन्द्र रक्षणे जय जननि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

22 sacAmara ramAvANI

सचामर रमावाणी

रागं : हंसनन्दि ताळं : रूपकम्

पल्लवि

सचामर रमवाणी सव्यदक्षिण सेविता

अनुपल्लवि

सचीन्दरनुते शक्ति देविस चराचर जगद्रूपिणि

चरणम्

सकलब्रह्माण्ड साम्राज्यसु वैभवे
सुख वि वाग्विभव सङ्गीत रसानुभवे
सुखादि भक्तजन सुखदायक सुरुचिरभावे
सुखसुधांबुधि हरिकेश सुखदायिनि सलहौ

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

23 sahasrakaramaNDite

सहस्रकरमण्डिते

रागं : वाचस्पति ताळं : आदि

पल्लवि

सहस्रकरमण्डिते सलिसौ
सर्वाभीष्टवनु माते

अनुपल्लवि

सहस्राक्षसन्नुते सच्चिदानन्दकन्द कन्दळितलते

चरणम्

कर सहस्रदि वरव कोडुव
निन्न चरण कमलवनु शिरदलि धरिशि
परम सुखवनु पडेव जन्मवे वरवु
हरिकेश निरते जगदम्ब

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

24 samayamide

समयमिदे

रागं : बुधमनोहरि ताळं : आदि

पल्लवि

समयमिदे नन्नु ब्रोचुटकु सनकादिनुत षण्मुखदेव

अनुपल्लवि

कमलासन गाङ्गेय ना
कलि तीर्चि वेग कापाडुटकु

चरणम्

नरसेवनमे ना जीवनमे
तिरिगिननू नी चिन्त मारनय्या
हरिकेशसुधा अमर परिपालक
करुणिञ्चि ब्रोव कार्तिकेय

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

25 sArasadaLanayane

सारसदळनयने

रागं : सारमति ताळं : आदि

पल्लवि

सारसदळनयने शारदे अम्ब

अनुपल्लवि

सारस संभवजाये सङ्गीतादि सकलविद्यालये

चरणम्

करधृतपुस्तक कमनीयानने
कामितफलदे कच्चपि निरते
हरिकेशादि अखिल सुरार्चिते
आनन्दहृदये आदरिञ्चु माये

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

26 siddhivinAyakam

सिद्धिविनायकम्

रागं : मोहनकल्याणि   ताळं : आदि

पल्लवि

सिद्धिविनायकं सेवेऽहं वरम्

अनुपल्लवि

बुद्धिदेवि विवरं भोगि कनक करम्
शुद्ध कळेभरं सोम कलाधरम्

चरणम्

मोदकहस्तं मूषिकवाहनम्

मुनुहृद्गेहं मोहनिदानम्

वेदसमूहं बोधप्रवाहं
श्रीदनिवासं श्रितहरिकेशम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

27 sudhAmayi

सुधमयि सुधानिधि

रागं : अमृतवर्षिणि ताळं : रूपकम्

पल्लवि

सुधामयि सुधानिधि स्मचरेक्षुकोदण्डे

अनुपल्लवि

विधीन्द्रनुते विमले सलहौ
वेदसारे विजयांबिके

चरणम्

सरसिजाक्ष जगन्मोहिनि सरसराग मणिभूषणि
हरिकेशप्रियकर्मिनि आनन्दामृतकर्षिणि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

28 shakti gaNapatim

शक्ति गणपतिम्

रागं : नाट्ट   ताळं : रूपकम्

पल्लवि

शक्तिसहित गणपतिं भजेऽहम्
सर्वसौभाग्यप्रदम्

अनुपल्लवि

रक्तिभक्ति भव सहित निजगानकलाधरं
रसललित त्रिशति नाम किर्तनानुग्रहपरम्

चरणम्

भानुकोटि संकाशं पापहरं परमेशम्

दानवकुलहरणचणमसकलविघ्न निवारणम्

मानितमूषिकवाहं वश्यमोहनदेहं
दीनबाल हरिकेश दिव्यसुन्दर कुमारम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

29 sharaNaM vijayasarasvati

शरणं विजयसरस्वति

रागं : विजयसरस्वति ताळं : आदि

पल्लवि

शरणं विजयसरस्वति माये
सर्वजीव दयापरि ब्रह्मजाये

अनुपल्लवि

निरवधिसुखदायकि नीरजाक्षि
सरसिरुहासिनि सर्वसाक्षि

चरणम्

क्षराक्षरादि सर्वभूतव्यापि सर्व यन्त्र मन्त्र तन्त्र स्वरूपि
वरलक्ष्मि शक्ति वागीश्वरि हरिकेशदास अलङ्कारि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

30 sharavaNabhava

शरवणभव समयमिदिरा

रागं : पशुपतिप्रिय ताळं : आदि

पल्लवि

शरवणभव समयमिदिरा
सरगुण नन्नु ब्रोवरा

अनुपल्लवि

परमपुरुष पशुपतिप्रिय
सुरसेवित सुकुमारा

चरणम्

चिरुनाद नी चिन्तनतोनु
मरि मरि नी महिम बल्कु नादु
तरमु तीर्प तरुणमिदिरा
हरिकेशपुर आदिनायक

31 shikhivAhana

शिखिवाहन

रागं : हंसदीपिक ताळं : आदि

पल्लवि

शिखिवाहन देवसेनापते

अनुपल्लवि

सुखरूप अम्बिकाबाला मूला अघनाशिव उपदेश ईशा

चरणम्

स्कन्द षण्मुख कार्त्तिकेय गुह गणनाथसोदर श्रीकर
ईश सुत हरिकेशपुरवास दासुल ब्रोचे भूसुर वरद

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

32 shrI mahAbala

श्रीमहाबल

रागं : सारङ्गमल्हार् ताळं : आदि

पल्लवि

श्रीमहाबल नगर निवसिनि
श्रितजनपरिपालिनि

अनुपल्लवि

सामजवरदा सहजाते सोमवदने सुन्दर रदने

चरणम्

शारदचन्द्र सारसाक्षि हरिकेश मनोहरि
सलहौ ताये श्री चामुण्डेश्वरि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

33 tappulanniyu

तप्पुलन्नियु ताळुकोम्मु

रागं : बौळि ताळं : रूपकम्

पल्लवि

तप्पुलन्नियु ताळुकोम्मु चामुण्डेश्वरी नाडु

अनुपल्लवि

मेप्पुलकै माटा पलिकि मेल्मियौडकेञ्चिन नाडु

चरणम्

अम्म नाडु विन्नापमुलन्नियुन्नादरिञ्चुडुवनि
नम्मिति हरिकेश जाये रक्षिञ्चवलेनु माये

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

34 teliyaka nejesina

तेलियक ने जेसिन

रागं : हुशेनि ताळं : रूपकम्

पल्लवि

तेलियक नेजेसिन दुडुकेल्ल माञ्चरा

अनुपल्लवि

कलियुगवरदा श्रीकार्त्तिकेय करुणासागर

चरणम्

नरजन्ममु दुर्बलमनि एरिगियुण्डि ई क्षणादि
अरिवर्ग्गमुललो तगिलि तिरिगि चेडिदि शरवणभव ॥ १ ॥

हरिहरादि भजनमुवले आत्मस्तुति पलिकि तनुवु
स्थिरमणि गर्विञ्चि नेनरु मरचि चेडिति शरवणभव ॥ २ ॥

हरिकेशपुरीश निन्नु स्वरताळमुतो पोगडग
परधनमुल नासपडि नी पदभजनमु मरचि चेडिति ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

35 ume ninage

उमे निनगे समानरारम्म

रागं : श्री ताळं : आदि

पल्लवि

उमे निनगे समानरारम्म
उरगेन्द्रभूषणि श्री माते

अनुपल्लवि

अमोघमहिमे आत्मारामे
कुमारजननी कुवलय नयने

चरणम्

अर्णवनिभ गांभीर्यगुणालंकृते
कर्णावतंसनीलोत्पलयुते
कर्णांतराजित रत्नताटङ्के
वर्णित लावण्याम्बु निदाने

स्वर्ण वसने शुभकरि सलहौ

शशिचूड परम हरिकेश

रूपिणि सुपर्ण वाहन सहोदरि
शङ्करि पर्वतराजकुमारि भवानि ॥ १ ॥

अर्णवनिभ गंभीरन धीरन

कर्णावतार चामराजेन्द्र तनयन

कर्णाटक भोज कमनीय जनकन

वर्णित नाल्वटि कृष्णराजेन्द्रन

स्वर्ण वसने शुभकरि सलहौ

शशि चूडपरम हरिकेश

रूपिणि सुपर्णा वाहन सहोदरि
शङ्करि पर्वतराजकुमारि भवानि ॥ २ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

36 vaLLInAyaka nIvE

वळ्ळीनायक नीवे

रागं : षण्मुखप्रिय ताळं : आदि

पल्लवि

वळ्ळीनायक नीवे गतियनि
मनसारक नम्मिनानु ब्रोवुमु

अनुपल्लवि

तल्लितन्द्रि गुरु दैवमु नीवनि
दलिचि निन्नु सन्ततमु म्रोक्किदि

चरणम्

वरमैन नी महिमलनु पोगडि
वारिकार्यामुनु वहिन्तुरुवनि
नी चरणालयमिनु चक्कग पट्टिति

षण्मुख हरिकेशपुर वासमा

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

37 vanadurge

वनदुर्गे

रागं : वनस्पति ताळं : रूपकम्

पल्लवि

वनदुर्गे वनस्पति महारङ्गि मातङ्गि

अनुपल्लवि

दीनपर्शिकिन्दुलोचने दीनजनावने

चरणम्

परमार्थ सुखसारे पापविदारिणि धीरे
हरिकेशपुरसदने हरिसन्नुते सलहौ

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

38 vAñcatonu

वाञ्चतोनु

रागं : कर्णरञ्जनि   ताळं : आदि

पल्लवि

वाञ्चतोनु नावगलु देल्पवे अम्ब

अनुपल्लवि

वाञ्छितफलदयकि श्री
वल्ली गुहुनि मनसु करग

चरणम्

मानिनि नी पालुडौ नामानमु कापाडि
अभिमानमुञ्चवलेनु तल्लि मरकतवल्लि
कलिमनवुलनु ब्रोव नी समानमेवरु
मारायुतसमानरूप हरिकेशकुमार राणि वनजनेत्रि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

39 vijayAMbike

विजयाम्बिके

रागं : विजयनागरि   ताळं : आदि

पल्लवि

विजयाम्बिके विमलात्मिके

अनुपल्लवि

अजवन्दिते अमरेन्द्रनुते
निजभक्तहिते निगमादर्कदे

चरणम्

श्रुतिस्वरग्राम मूर्च्छनालङ्कार
नादजनित राग रस भरित सं-
गीतरूपिणि गौरि पालिसौ-
माते हरिकेश मनमोदिनि

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

स्वर्णाकर्षण नवावरण रागमालिका

रागमलिका ताळम् आदि

पल्लवि

गणेश स्तुति - रागं धन्याशि

स्वर्णाकर्षणगणपते सुगुणधनासिम
दयानिधे करुणामृतायित नवावरण
शुभ गानकृतौ शक्तिं देहि सुमते

प्रथम आवरणं - रागं मोहनम्

त्रैलोक्यमोहनचक्राधीश्वरि
त्रिपुरादिकोणगाते विभास्वरि
आलोकमात्रेण अणिमादि दायिनि
अम्बा कुमरि मामवतु भवानि

द्वितीय आवरणं - रागं वसन्त

सर्वाशापुरकचक्र निवासिनीं

साधुभववसन्तापविनाशिनीम्

निर्वाणसौख्यदां निर्मलां त्रिमूर्तिं
नीरजासिनीं भजे निरन्जनकीर्तिम्

तृतीय आवरणं - रागम् भैरवि

अनङ्गकुसुमादि अष्टशक्तियुतया

अखिलसंक्षोभणचक्रनिरतया

अनङ्गाद्युपासिते कल्याणि हित्वया
अनिशं रक्ष्य ते जगत् भैरविनुतया

चतुर्थ आवरणं - रागं काम्भोजि

सुकुमाररोहिणीपदायै नमोखिल

सोभाग्यदायकाम्भोदीन्दवे नमो

बहुमनुकोणनिलयायै नमो नमो
भासुरहीरवलयायै नमो

पञ्चम आवरणं - रागं तोडि

काळीतोडियते नमे मनस्सुखि
कामितसर्वार्थसाधकि नायकि
ललितनादस्वरूपधराय
लास्यनवाधार विश्वम्बराय

षष्ट आवरणं - रागं कल्याणि

दशकलात्मकवह्नितशारदे
सकलरक्षाकरचक्रविराजिते
दशबले कल्याणि चण्डिकादेवि
ते दासोहं दशमुद्रासेविते

सप्तम आवरणं - रागं अठाणा

शाम्भवि त्वयी भक्तिं सततं मे
देहि सर्वरोगहरचक्रेशं एहि
जांबुनतनिभे सकलवशङ्करि
समय व्रताटनमोहम् शङ्करि

अष्टम आवरणं - रागं सुरटि

निरुपममहिमे दुर्गे निरञ्जनि
निखिलसिद्धिप्रदचक्रसुरञ्जनि
सुरटीकितगुणे शोकनिवारिणि
शुभमयि गुरु शिवदेहविहारिणि

नवम आवरणं - रागं सौराष्ट्रं

सकलानन्दमयचक्रनिवासे
सच्चिदानन्दबिम्बविकासे
अखिलागमनुते अम्बा सुभद्रे
मोदय सौराष्ट्रं मोदसमुद्रे

मङ्गळम् - रागं श्री

नवावरणश्रीराग मालां
नवां समर्पितां स्वीकुरु तव लीलाम्
शिवे श्रीचामराजमहीशे दिश
मङ्गळं सदा श्रित हरिकेशे

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠